# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| ट्रिब्यून | 9.9.25 | 9 | 1-4 |

**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग की नई खोज**

# हकृवि ने लॉन्च किया कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप

हिसार, 8 सितंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग ने किसानों के लिए कम लागत वाला फ्रूट फ्लाई ट्रैप विकसित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इसका शुभारंभ करते हुए कहा कि यह उपकरण बागवानी फसलों में फल मक्खी के प्रकोप को कम करने में कारगर होगा। उन्होंने बताया कि कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से लागत बढ़ने के साथ-साथ स्वास्थ्य और पर्यावरण पर भी असर पड़ता है। ऐसे में यह ट्रैप ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने और लागत घटाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हिसार में फ्रूट फ्लाई ट्रैप को लांच करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। -हप

हरियाणा में बागवानी व सब्जियों का क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इन पर फल मक्खी का प्रकोप बड़ा नुकसान पहुंचाता है। यह कीट अकेले अमरूद की फसल में 90 से 100 प्रतिशत तक हानि कर सकता है, वहीं किन्नू में 85-90 प्रतिशत, नाशपाती में 80 प्रतिशत, आड़ू में 78 प्रतिशत तथा आम में करीब 30 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचाता है। तरबूज, खरबूजा, खीरा, तोरई, करेला, कद्दू और परवल में भी 30 से 80 प्रतिशत तक उत्पादन घट जाता है। यह ट्रैप किसानों को कीटनाशकों पर निर्भरता घटाने, लागत बचाने और उपभोक्ताओं को सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण फल-सब्जियां उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस ट्रैप की कीमत 130 रुपये रखी गई है, जबकि इसके साथ इस्तेमाल होने वाला सेप्टा 100 रुपये प्रति नग उपलब्ध है। एक एकड़ में 14 से 16 ट्रैप लगाने की सिफारिश की जाती है। यह ट्रैप टहनी या खूंटी पर आसानी से लगाया जा सकता है और सेप्टा को समय-समय पर बदलकर उपयोग में लिया जा सकता है। कीट विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि ट्रैप में नर कीट फंसकर मर जाते हैं, जिससे इनका प्रजनन कम होता है और कीट की संख्या में कमी आती है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, वित्त नियंत्रक डॉ नवीन जैन, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. जीत राम शर्मा, डॉ. सोमवीर निंबल, डॉ. सुरेश सीला, डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. अंकित कुमार जूड़, डॉ. दीपिका कलकल तथा डॉ. वरुण सैनी उपस्थित थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 9.9.25 | 2 | 6-8 |

# फल-मक्खी प्रबंधन के समाधान के लिए कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप लॉन्च

माई सिटी रिपोर्टर

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कीट विज्ञान विभाग की ओर से फल मक्खी प्रबंधन के समाधान के लिए कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप विकसित किया गया है। बागवानी फसलों पर कीटों के कारण काफी नुकसान और इसकी गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ता है।

कुलपति प्रो.बी आर कांबोज ने ट्रैप का शुभारंभ करते हुए कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने मक्खी अकेले 90 से 100 प्रतिशत अमरुद, 85 से 90 प्रतिशत किन्नू, 80 प्रतिशत नाशपाति, 78 प्रतिशत आड़ू और 30 प्रतिशत तक आम की फसल में नुकसान कर सकती है। फल मक्खी तरबूज, खरबूजा, खीरा, तोरई, करेला, कद्दू तथा परवल जैसी फसलों में किसानों को 30 से 80 प्रतिशत तक उत्पादन की हानि उठानी पड़ती है।

फ्रूट फ्लाई ट्रैप लॉन्च करते एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। स्रोत: संस्थान

इसके उपयोग से कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी, किसानों की लागत कम होगी और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सुरक्षित फल और सब्जियां उपलब्ध हो सकेंगी । अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस ट्रैप की कीमत 130 रुपये प्रति ट्रैप रखी गई है। इसके साथ उपयोग होने वाला सेप्टा 100 रुपये प्रति नग उपलब्ध है। एक एकड़ फसल में 14 से 16 ट्रैप लगाने की सिफारिश की जाती है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 9.9.25 | 5 | 1-2 |

## बागवानी फसलों पर फल मक्खी के प्रकोप को कम करने हेतु फ्रूट फ्लाई ट्रैप लगाए: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज फ्रूट फ्लाई ट्रैप को लॉच करते हुए

हिसार, 8 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा फल मक्खी प्रबंधन के समाधान हेतु कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप विकसित किया गया है। बागवानी फसलों पर कीटों के कारण काफी नुकसान और इसकी गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी आर काम्बोज ने ट्रैप का शुभारंभ करते हुए कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। कीटनाशकों के प्रयोग को कम करके आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने व इसके बढ़ते खर्चे को कम करने हेतु किसानों को जागरूक किया जा रहा है।

हरियाणा में बागवानी फसलों व सब्जियों का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। इन फसलों पर विभिन्न प्रकार के कीट नुकसान पहुंचाते हैं इनमें मुख्य रूप से फल मक्खी का आक्रमण सबसे अधिक होता है। यह अकेले 90 से 100 प्रतिशत अमरुद, 85 से 90 प्रतिशत किन्नू, 80 प्रतिशत नाशपाति, 78 प्रतिशत आड़ू तथा 30 प्रतिशत तक आम की फसल में नुकसान कर सकती है। उन्होंने बताया कि फल मक्खी तरबूज, खरबूजा, खीरा, तोरई, करेला, कद्दू तथा परवल जैसी फसलों में किसानों को 30 से 80 प्रतिशत तक उत्पादन की हानि उठानी पड़ती है। उन्होंने बताया कि इस ट्रैप के उपयोग से कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी, किसानों की लागत कम होगी और उपभोक्ताओं को गणवत्तापूर्ण सुरक्षित फल और सब्जियां उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, डॉ. संदीप आर्य आदि उपस्थित थे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 9-9-25 | 4 | 7-8 |

# एचएयू के कीट विज्ञान विभाग ने कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप किया लॉन्च

## फल मक्खी के प्रकोप कम करने को फ्रूट फ्लाई ट्रैप लगाएं

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज फ्रूट फ्लाई ट्रैप को लॉन्च करते हुए।

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग ने फल मक्खी प्रबंधन के समाधान के लिए कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप विकसित किया है।

वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। कीटनाशकों के प्रयोग को कम करके ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने व इसके बढ़ते खर्चे को कम करने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। बागवानी व सब्जियों की फसलों पर विभिन्न प्रकार के कीट नुकसान पहुंचाते हैं इनमें मुख्य रूप से फल मक्खी का आक्रमण सबसे अधिक होता है। यह अकेले 90 से 100% अमरूद, 85 से 90% किन्नू, 80% नाशपाती, 78% आड़ू तथा 30% तक आम की फसल में नुकसान कर सकती है। फल मक्खी तरबूज, खरबूजा, खीरा, तोरई, करेला, कद्दू तथा परवल जैसी फसलों में किसानों को 30 से 80% तक उत्पादन की हानि उठानी पड़ती है। इस ट्रैप के उपयोग से कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी, लागत कम होगी और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण फल-सब्जियां मिल सकेंगी।

### 130 रुपए प्रति ट्रैप कीमत रखी

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस ट्रैप की कीमत 130 रुपए प्रति ट्रैप रखी है। इसके साथ उपयोग होने वाला सेप्टा 100 रुपए प्रति नग उपलब्ध है। एक एकड़ फसल में 14 से 16 ट्रैप लगाने की सिफारिश की जाती है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 9-9-25 | 4 | 6 |

## फल मक्खी के प्रकोप को कम करने के लिए फ्रूट फ्लाई ट्रैप लगाएं

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग की तरफ से फल मक्खी प्रबंधन के समाधान के लिए कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप विकसित किया गया है। बागवानी फसलों पर कीटों के कारण काफी नुकसान और इसकी गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ता है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने ट्रैप का शुभारंभ करते हुए कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। कीटनाशकों के प्रयोग को कम करके आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने व इसके बढ़ते खर्चे को कम करने हेतु किसानों को जागरूक किया जा रहा है। हरियाणा में बागवानी फसलों व सब्जियों का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। इन फसलों पर विभिन्न प्रकार के कीट नुकसान पहुंचाते हैं इनमें मुख्य रूप से फल मक्खी का आक्रमण सबसे अधिक होता है। यह अकेले 90 से 100 प्रतिशत अमरुद, 85 से 90 प्रतिशत किन्नू, 80 प्रतिशत नाशपाति, 78 प्रतिशत आड़ू तथा 30 % में नुकसान कर सकती है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि भूमि | 9-9-25 | 2 | 1-5 |

उपलब्धि

## बागवानी फसलों पर फल मक्खी के प्रकोप को कम करने के लिए फ्रूट फ्लाई ट्रैप प्रभावी

# हकृवि के कीट विज्ञान विभाग ने कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप किया लॉन्च

**ट्रैप की कीमत 130 रुपये प्रति ट्रैप रखी गई**

**एक एकड़ फसल में 14 से 16 ट्रैप लगाने की सिफारिश**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा फल मक्खी प्रबंधन के समाधान के लिए कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप विकसित किया गया है।बागवानी फसलों पर कीटों के कारण काफी नुकसान और इसकी गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज ने ट्रैप का शुभारंभ करते हुए कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। कीटनाशकों के प्रयोग को कम करके आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने व इसके बढ़ते खर्चे को कम करने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। हरियाणा में बागवानी फसलों व सब्जियों का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। इन फसलों पर विभिन्न प्रकार के कीट नुकसान पहुंचाते हैं इनमें मुख्य रूप से फल मक्खी का आक्रमण सबसे अधिक होता है। यह अकेले 90 से 100 प्रतिशत अमरुद, 85 से 90 प्रतिशत किन्नू, 80 प्रतिशत नाशपाति, 78 प्रतिशत आड़ तथा 30 प्रतिशत तक आम की फैसल में नुकसान कर सकती है।

हिसार। फ्रूट फ्लाई ट्रैप को लॉच करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ।

### कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी

फल मक्खी तरबूज, खरबूजा, खीरा, तोरई, करेला, कद्दू तथा परवल जैसी फसलों में किसानों को 30 से 80 प्रतिशत तक उत्पादन की हानि उठानी पड़ती है। उन्होंने बताया कि इस ट्रैप के उपयोग से कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी, किसानों की लागत कम होगी और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सुरक्षित फल और सब्जियां उपलब्ध हो सकेंगी ।

### टहनी या खूंटी पर आसानी से लगाया जा सकता

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस ट्रैप की कीमत 130 रुपये प्रति ट्रैप रखी गई है। इसके साथ उपयोग होने वाला सेप्टा 100 रुपये प्रति नग उपलब्ध है। एक एकड़ फसल में 14 से 16 ट्रैप लगाने की सिफारिश की जाती है। उन्होंने बताया कि इस ट्रैप को खेत में टहनी या खूंटी पर आसानी से लगाया जा सकता है। सेप्टा को समय-समय पर बदलकर प्रयोग में लाया जा सकता है।

### मौजूद रहे

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, वित्त नियंत्रक डॉ नवीन जैन, कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. जीतराम शर्मा, डॉ. सोमवीर निंबल, डॉ. सुरेश सीला आदि मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स | 8.9.2025 | --- | -- |

# हकृवि के कीट विज्ञान विभाग ने कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप किया लॉन्च

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा फल मक्खी प्रबंधन के समाधान हेतु कम कीमत का फ्रूट फ्लाई ट्रैप विकसित किया गया है। बागवानी फसलों पर कीटों के कारण काफी नुकसान और इसकी गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ता है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने ट्रैप का शुभारंभ करते हुए कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। कीटनाशकों के प्रयोग को कम करके आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने व इसके बढ़ते खर्चे को कम करने हेतु किसानों को जागरूक किया जा रहा है। हरियाणा में बागवानी फसलों व सब्जियों का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। इन फसलों पर विभिन्न प्रकार के कीट नुकसान पहुंचाते हैं इनमें मुख्य रूप से फल मक्खी का आक्रमण सबसे अधिक होता है। यह अकेले 90 से 100 प्रतिशत अमरुद, 85 से 90 प्रतिशत किन्नू, 80 प्रतिशत नाशपाति, 78 प्रतिशत आड़ू तथा 30 प्रतिशत तक आम की फसल में नुकसान कर सकती है। उन्होंने बताया कि फल मक्खी तरबूज, खरबूजा, खीरा, तोरई, करेला, कद्दू तथा परवल जैसी फसलों में किसानों को 30 से 80 प्रतिशत तक उत्पादन की हानि उठानी पड़ती है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस ट्रैप की कीमत 130 रूपए प्रति ट्रैप रखी गई है। इसके साथ उपयोग होने वाला सेप्टा 100 रूपए प्रति नग उपलब्ध है। एक एकड़ फसल में 14 से 16 ट्रैप लगाने की सिफारिश की जाती है। उन्होंने बताया कि इस ट्रैप को खेत में टहनी या खूंटी पर आसानी से लगाया जा सकता है। सेप्टा को समय-समय पर बदलकर प्रयोग में लाया जा सकता है।

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि बागवानी फसलों में ट्रैप लगाने से फल मक्खी के नर कीट ट्रैप में फस कर मर जाते हैं और प्रजनन क्रिया कम होने से इस कीट की संख्या घट जाती है। इस कीट के प्रोढ़ (नर व मादा) का जीवन चक्र काफी दिनों का होता है, इसलिए इन्हें ट्रैप द्वारा पकड़ना प्रभावी रहता है।